ज्ञान की बात

बहुत आसान होता है
"कोई उदाहरण पेश करना"
बहुत कठिन होता है
"खुद कोई उदाहरण बनना"

"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

मजाक और पैसा
काफी
सोच-समझ कर
उड़ाना चाहिए

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 16 अंक : 33 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 29 अगस्त से 04 सितम्बर, 2024 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

पुलिस की बर्बरता पर फूटा बीजेपी का गुस्सा, जेपी नड्डा ने साधा ममता सरकार पर निशाना, टीएमसी का पलटवार

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। नबन्ना अभिजन रैली के हिंसक हो जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ममता बनर्जी सरकार पर बलात्कारियों और अपराधियों का समर्थन करने का आरोप लगाते हुए निशाना साधा। वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने जबरन बैरिकेड तोड़ने और प्रतिबंधित नबन्ना क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले भाजपा गुंडों पर हमला किया।

नडडा ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि कोलकाता से पुलिस की मनमानी की तस्वीरों ने लोकतांत्रिक सिद्धांतों को महत्व देने वाले हर व्यक्ति को नाराज कर दिया है। दीदी के पश्चिम बंगाल में बलात्कारियों और अपराधियों की मदद करने को महत्व दिया जाता है, लेकिन महिलाओं की सुरक्षा के लिए बोलना अपराध है। यह टिप्पणी छात्र संगठन द्वारा अराजनीतिक रैली के दौरान राज्य पुलिस द्वारा लाठीचार्ज की रिपोर्ट सामने आने के बाद आई, जो कोलकाता के आरजी कर कॉलेज में डॉक्टर के बलात्कार और हत्या के विरोध में आवाज उठाने के लिए आयोजित की गई थी। हालाँकि, अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के गुंडों पर ममता की छवि खराब करने के लिए विरोध प्रदर्शन को हिंसक बनाने का आरोप लगाया है। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि सभी ने देखा कि आज बीजेपी के गुंडों ने हमला किया, बैरिकेड तोड़ दिए, पुलिस पर हमला किया। पुलिस घायल हुई। फिर भी संयमित है। उन्होंने ही गड़बड़ की। वे ही हैं जो गतिरोध के लिए बंद का आह्वान कर रहे हैं। इससे पहले भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि आज पश्चिम बंगाल के नबन्ना में जो हो रहा है, वो चिंताजनक है और संविधान को तार–तार करने वाला है। ये स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि अगर देश में कहीं तानाशाह है, तो वो तानाशाह ममता बनर्जी है। उन्होंने कहा कि तानाशाह ममता बनर्जी और साथ में वो पुलिस कमिश्नर जिसने इस घटना को आत्महत्या बताया था। उन दोनों को तुरंत इस्तीफा देना चाहिए, जिससे निष्पक्ष जांच हो सके। हम कहना चाहते हैं कि जांच एजेंसी को ममता बनर्जी और पुलिस कमिश्नर का भी पॉलीग्राफ टेस्ट करना चाहिए। भाटिया ने कहा कि अपने साथी छात्र के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर ममता बनर्जी की पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है। अपराधियों को बचाया जा रहा है। ममता सरकार का प्रशासन पक्षपातपूर्ण है और हम उनसे न्याय की उम्मीद नहीं कर सकते।

प्रधानमंत्री मोदी ने जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे होने पर इसकी प्रशंसा की

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना को सफल बनाने के लिए काम करने वाले लोगों की बुधवार को प्रशंसा की और कहा कि यह योजना वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने में सर्वोपरि रही है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "आज एक ऐतिहासिक दिन है – जन धन योजना के 10 वर्ष पूरे हो गए हैं। सभी लाभार्थियों को शुभकामनाएं और इस योजना को सफल बनाने के लिए दिन–रात एक करने वाले सभी लोगों को बहुत–बहुत बधाई।" उन्होंने कहा कि जन धन योजना वित्तीय समावेश को बढ़ावा देने और करोड़ों लोगों खासकर महिलाओं, युवाओं तथा वंचित समुदायों को सम्मान देने में सर्वोपरि रही है। वर्ष 2014 में आज के दिन शुरू की गयी प्रधानमंत्री जन धन योजना वित्तीय समावेश पर एक राष्ट्रीय मिशन है जिसमें देश के सभी परिवारों के व्यापक वित्तीय समावेश के लिए एक एकीकृत दृष्टिकोण शामिल है। इस योजना का उद्देश्य प्रत्येक परिवार के लिए कम से कम एक बुनियादी बैंकिंग खाता, वित्तीय साक्षरता, ऋण, बीमा और पेंशन सुविधा तक पहुंच के साथ बैंकिंग सुविधाओं तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करना है।

विपक्ष पर मुख्यमंत्री योगी का वार, बोले– कांग्रेस, समाजवादी पार्टी के अंदर घुस गई है जिन्ना की आत्मा

लखनऊ(संवाददाता)।उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछली सरकारों पर तुष्टीकरण नीतियों और जाति और क्षेत्र के आधार पर सामाजिक विभाजन के माध्यम से देश के सामाजिक ताने–बाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। अलीगढ़ में एक रोजगार मेले के दौरान एक सार्वजनिक बैठक में बोलते हुए, आदित्यनाथ ने जोर देकर कहा कि भाजपा सरकार समान विकास, बिना किसी भेदभाव के आवास, रोजगार और बिजली की पेशकश के लिए प्रतिबद्ध है। योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि कांग्रेस हो, समाजवादी पार्टी हो या बहुजन समाज पार्टी...इन लोगों ने सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न किया है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस हो या समाजवादी पार्टी, इनके अंदर जिन्ना की आत्मा घुस गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश को दंगा प्रदेश बना दिया था। आज उत्तर प्रदेश रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि जिस उत्तर प्रदेश के सामने पहचान का संकट था, आज वह देश का अग्रणी प्रदेश बन चुका है। उन्होंने कहा कि रोजगार सभी को, भेदभाव किसी के साथ नहीं...हमने 6.5 लाख नौजवानों को प्रदेश के अंदर नौकरी दी और 2 करोड़ से अधिक नौजवानों को रोजगार दिया है। उन्होंने दावा किया कि विकास में कोई क्षेत्र पिछड़ नहीं पाएगा, विकास द्वार–द्वार तक पहुंचेगा। देश के विकास में बाधक तत्वों को आगे नहीं बढ़ने देना है। उन्होंने पार्टी के मंत्र सबका साथ सबका विश्वास को दोहराया और अराजकता के खिलाफ चेतावनी दी। ऋण वितरण और युवाओं को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज कोई भी विकास देख सकता है और यह सरकार मकान, नौकरियां और बिजली हर किसी को बिना भेदभाव के उपलब्ध करा रही है। 'सबका साथ, सबका विकास' के नारे को दोहराते हुए उन्होंने कहा, "हम किसी के साथ भेदभाव नहीं करेंगे, लेकिन किसी को अराजकता और अव्यवस्था भी नहीं फैलाने देंगे। यदि कोई अराजकता के रास्ते पर चलता है तो वह रास्ता उसे यमराज के पास ले जाएगा।"

राज कपूर की आवाज कहे जाते थे सिंगर मुकेश, गायकी में पाया था ऊंचा मुकाम

हिंदी सिनेमा में 40 के दशक में अपनी आवाज से दुनिया को अपना दीवान बनाने वाले सिंगर मुकेश का 27 अगस्त को निधन हो गया था। मुकेश ने अपने पूरे करियर में 1300 से अधिक गाने गाए हैं। सिंगर ने अभिनेता राज कपूर के लिए सबसे ज्यादा गाने गाए थे। इसी वजह से मुकेश को अभिनेता राज कपूर की आवाज कहा जाने लगा था। आज भी लोग मुकेश के गाने सुनना और गुनगुनाना पसंद करते हैं। सुरों के सरताज मुकेश के गाने जितने बेहतरीन हुआ करते थे, उतनी ही उनकी जिंदगी भी दिलचस्प थी। तो आइए जानते हैं उनकी डेथ एनिवर्सरी के मौके पर सिंगर मुकेश के जीवन से जुड़ी कुछ रोचक बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

मुकेश का जन्म 22 जुलाई 1923 को हुआ था। उनका पूरा नाम मुकेश चंद माथुर था। उनके पिता का नाम लाला जोरावर चंद माथुर और मां का नाम चांद रानी था। मुकेश ने 10वीं कक्षा के बाद काम करना शुरूकर दिया था। उनको गाना गाने का काफी शौक था और वह दिल्ली के लोक निर्माण विभाग में काम किया करते थे। वहीं फुर्सत के पलों में वह गाने की रिहर्सल किया करते थे।

फिल्मी कॅरियर

मुकेश की किस्मत तब चमकी, जब उनकी बहन की शादी में अभिनेता मोतीलाल आए थे। इस दौरान अभिनेता ने मुकेश को गाते हुए सुना और उनको मुंबई लेकर गए। मुकेश सिर्फ अच्छा गाना ही नहीं गाते थे, बल्कि वह दिखने में भी काफी अच्छे थे। जिसके चलते साल 1941 में मुकेश को फिल्म निर्दोष में न सिर्फ गाना गाने का मौका मिला, बल्कि एक्टर बनने का भी मौका मिला। मुकेश का पहला गाना शदिल जलता है तो जलने दोश था।सिंगर का फिल्मी कॅरियर भले ही न चला हो, लेकिन मुकेश की धुन फैंस के दिलों के तार छेड़ देती थी। सिंगर ने सबसे ज्यादा गाने राज कपूर के लिए गाए थे। जिसके कारण 50 की दशक में मुकेश को राज कपूर की आवाज कहा जाने लगा था।

लव स्टोरी

मुकेश की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प थी। महज 23 साल की उम्र में उन्होंने सरला त्रिवेदी से भागकर शादी की थी। दरअसल, सरला के माता–पिता उनके रिश्ते के खिलाफ थे। इसलिए उन्होंने मंदिर में सात फेरे लिए थे। मुकेश के नाती नील नितिन मुकेश हैं, जोकि इंडस्ट्री का जाना माना नाम हैं।बताया जाता है कि एक बार सिंगर ने बीमार फैन को गाना सुनाकर ठीक कर दिया था। दरअसल, मुकेश की एक फीमेल फैन हॉस्पिटल में भर्ती थी, वह चाहती थी कि मुकेश हॉस्पिटल आकर उसके लिए गाना गाएं। जब मुकेश के कान में यह बात पड़ी, तो वह फौरन अस्पताल पहुंचे और फीमेल फैन के लिए गाना गाया।

मृत्यु

बता दें कि सिंगर ने अपने अंतिम समय तक म्यूजिक का साथ नहीं छोड़ा था। वहीं 27 अगस्त 196 को अमेरिका में एक स्टेज शो के दौरान मुकेश को हार्ट अटैक आया था। बताया जाता है कि जब स्टेज पर उनको हार्ट अटैक आया, तब तक इक दिन बिक जाएगा माटी के मोल गाना गा रहे थे।

ग़ज़ल

प्यार की जिसमें चाशनी ही नहीं
ज़िन्दगी फिर वो ज़िन्दगी ही नहीं

कैसे कह दूँ मेरी है अपनी जब
ज़ीस्त अपनी कभी लगी ही नहीं

रोज़ मायूस हो रही फिर भी
आरज़ू है कि मानती ही नहीं

क़द्र रिश्तों की जो नहीं करता
आदमी फिर वो आदमी ही नहीं

होगी मंज़िल वो किस तरह मेरी
जो मेरे वास्ते बनी ही नहीं

रास्ता मैं खुशी का क्यों देखूँ
मेरी हमदम कभी वो थी ही नहीं

कोशिशों में कमी नहीं थी मगर
कामयाबी कभी मिली ही नहीं

सुब्ह खुशियों की आती भी कैसे
रात ग़म की कभी ढली ही नहीं

सुख का सागर भी ज़ीस्त है हीरा
आँसुओं की फ़क़त नदी ही नहीं

–हीरालाल यादव हीरा

मिश्रित वैश्विक संकेतों के चलते सपाट खुला भारतीय शेयर बाजार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार मिश्रित वैश्विक संकेतों के चलते सपाट खुला। बाजार में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। सुबह 9:17 पर सेंसेक्स 48 अंक की तेजी के साथ 81,746 और निफ्टी 17 अंक की मामूली बढ़त के साथ 25,027 पर था। बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर 1,299 शेयर हरे निशान में और 654 शेयर लाल निशान में हैं। कारोबार की शुरुआत में लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में खरीदारी का ट्रेंड देखने को मिल रहा है। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 185 अंक या 0.32 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,117 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 51 अंक या 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,183 पर था। सेक्टर के हिसाब से देखें तो आईटी, पीएसयू बैंक, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया और पीएसई एनएसई पर सबसे ज्यादा बढने वाले इंडेक्स हैं।

समस्त विजेताओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं

काव्य रसिक संस्थान राजस्थान प्रदेश इकाई

राष्ट्रीय स्तरीय मुक्तक लेखन प्रतियोगिता परिणाम
दि०01–08–2024 से 03–08–2024

विजेता श्रेणीः– सर्वश्रेष्ठ रचनाएँ
1–प्रथम स्थान (1) दयाराम दर्द फिरोजाबादी उ०प्र०
(2) डा० राजेश कुमार पान्डेय सिलवासा
(3) आभा गुप्ता इंदौर म प्र
2– द्वितीय स्थानः– (1) मीना रावलानी कोटा राज०
(2) प्रवीन पान्डेय आवारा लखनऊ उ०प्र०
3– तृतीय स्थानः– (1) सुरेश बन्छोर भिलाई छ ग
(2) प्रियंका भूतडा प्रिया बरगढ ओडिशा
(3) जय शंकर सिंह बनारस

विजेता श्रेणीः– अति उत्तम रचना

प्रथम स्थानः– (1) सौरव सुमन गया बिहार।
(2) डा०(कु०) शशि जायसवाल प्रयागराज
(3) शरीफ खान भाटापारा राज०
2– द्वितीय स्थानः– (1) लतेलिन लता प्रधान छ ग
(2) श्रीपाल शर्मा बागपत उ०प्र०
(3) संध्या सुनील जैन राज भिलाई छ ग

3– तृतीय स्थानः– (1) कविता नामदेव नजीबाबाद यूपी

प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिकता का संगम है चित्रकूट

चित्रकूट, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की सीमा पर स्थित एक प्राचीन और पवित्र स्थल है। यह स्थल धार्मिक, ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है। चित्रकूट का नाम भारतीय धार्मिक ग्रंथों में प्रमुख स्थान पर है और यहाँ की हरियाली, झरने और धार्मिक स्थल इसे पर्यटकों के लिए एक आदर्श गंतव्य बनाते हैं। आइए जानते हैं चित्रकूट के प्रमुख पर्यटन स्थलों के बारे में:ू

1. रामघाट

रामघाट, चित्रकूट का सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थल है। यह घाट यमुनापार के तट पर स्थित है और यहाँ पर हर वर्ष लाखों श्रद्धालु स्नान करने आते हैं। इस घाट पर भगवान राम और माता सीता के साथ बिताए गए वर्षों की कथाएँ प्रचलित हैं। यहाँ की धार्मिक माहौल और सुंदरता एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करती है।

2. कश्मीरी ताल

कश्मीरी ताल एक प्राकृतिक झील है जो चित्रकूट की खूबसूरत वादियों में स्थित है। यह ताल पर्यटकों के लिए एक शांत और सौम्य वातावरण प्रदान करती है। यहाँ पर नाव की सवारी करके आप झील के शांत पानी का आनंद ले सकते हैं और आसपास की हरी–भरी हरियाली का मजा ले सकते हैं।

3. चित्रकूट के झरने

चित्रकूट में कई सुंदर झरने हैं जो प्राकृतिक सौंदर्य और शांति का अनुभव कराते हैं:

रामकुण्ड झरनाः यह झरना भगवान राम के नाम पर रखा गया है और यहाँ पर जल की धारा एक अद्वितीय दृश्य प्रस्तुत करती है।

जानकी कुंडः यह झरना भी धार्मिक महत्व रखता है और यहाँ पर श्रद्धालु जल स्नान करने आते हैं।

4. सती अंजनी देवी का मन्दिर

सती अंजनी देवी का मन्दिर चित्रकूट का एक प्रमुख धार्मिक स्थल है। इसे अंजनी माता का मन्दिर भी कहा जाता है। यह मंदिर भगवान हनुमान की माता के प्रति श्रद्धा अर्पित करता है और यहाँ पर भक्त नियमित रूप से पूजा अर्चना करने आते हैं। मंदिर की स्थापत्य कला और धार्मिक महत्व इसे विशेष बनाते हैं।

5. भगवान राम के वनवास स्थल

चित्रकूट, भगवान राम के वनवास के दौरान एक महत्वपूर्ण स्थल रहा है। यहाँ पर कई स्थान हैं जिनसे जुड़ी हुई कथाएँ और धार्मिक महत्व हैं। इन स्थलों की यात्रा करते हुए आप रामायण की कथाओं और भगवान राम के वनवास की घटनाओं को महसूस कर सकते हैं।

6. भरत मिलाप मन्दिर

भरत मिलाप मन्दिर, चित्रकूट का एक ऐतिहासिक और धार्मिक स्थल है। यह मंदिर भगवान राम और उनके भाई भरत के मिलन की स्मृति में बनाया गया था। मंदिर की वास्तुकला और धार्मिक वातावरण यहाँ पर आने वाले भक्तों को एक अद्वितीय अनुभव प्रदान करते हैं।

7. गुह्येश्वरी देवी का मन्दिर

गुह्येश्वरी देवी का मन्दिर चित्रकूट के प्रमुख धार्मिक स्थलों में से एक है। यह मन्दिर देवी दुर्गा की एक रूप में पूजा जाता है और यहाँ की शांतिपूर्ण और दिव्य वातावरण भक्तों को एक अद्वितीय आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करती है।

8. सप्तऋषि आश्रम

सप्तऋषि आश्रम, चित्रकूट का एक महत्वपूर्ण आश्रम है जहाँ पर प्राचीन ऋषियों और साधुओं ने तपस्या की थी। यहाँ की साधना और ध्यान की विधियाँ पर्यटकों को एक गहरा आध्यात्मिक अनुभव प्रदान करती हैं।

निष्कर्ष

चित्रकूट, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य का एक अनूठा संगम है। यहाँ की धार्मिक स्थल, प्राकृतिक झरने, और शांतिपूर्ण वातावरण आपको एक अविस्मरणीय अनुभव प्रदान करेंगे। चाहे आप आध्यात्मिक शांति की खोज में हों या प्राकृतिक सौंदर्य का आनंद लेना चाहते हों, चित्रकूट एक आदर्श गंतव्य साबित होगा।

रोजाना सुबह खाली पेट तुलसी का पानी पीने से सेहत के मिलते है अनगिनत फायदे

हिंदू धर्म में कई सदियों से तुलसी के पौधे की पूजा की जा रही है। धार्मिक कार्यों में तुलसी के पत्तों का प्रयोग भी किया जाता है। तुलसी मे कई औषधीय

गुण होते जो बीमारियों के इलाज करने में सक्षम है। अगर तुलसी की पत्तियों का सेवन रोजाना किया जाए तो खासा फायदा होता है। आप तुलसी के पत्तों को पानी में कुछ देर के लिए डाल लें। इसके बाद खाली पेट तुलसी का पानी जरुर पिएं। इससे कई फायदा मिलता है।

तनाव दूर होगा

तुलसी के पत्ते सेहत के लिए बेहद लाभकारी होते हैं। तुलसी की पत्तियों में एडाप्टोजेन्स की अच्छी मात्रा होती हैं जो तनाव के लेवल को कम करता है। तुलसी का पानी पीने से तनाव दूर होता है। यह आपके तंत्रिका तंत्र को आराम देने और ब्लड फ्लो को बढ़ाने में भी मदद करता है। इसके सेवन से इंद्रियों को शांति मिलती और तनाव भी दूर हो जाता है।

पाचन बेहतर रहता है

अगर आप रोजाना खाली पेट तुलसी का पानी पीते हैं, तो आप आसानी से मल त्याग कर सकते हैं। इससे पाचन भी बेहतर रहता है। बता दें कि तुलसी एसिड रिफ्लक्स को संतुलित करता है और पीएच लेवल को बनाए रखता है। पाचन स्वस्थ भी बढ़िया रहती है।

सांसों की बदबू दूर होती

तुलसी में एंटी–बैक्टीरियल गुण मौजूद होते हैं। यह सांसों की दुर्गंध मिटाते हैं। अगर आप सुबह–सुबह खाली पेट तुलसी का पानी पीते हैं तो आपका मुंह एकदम फ्रेश रहता है।

इम्यूनिटी बूस्ट करता है

तुलसी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है और इसमें एंटी–बैक्टीरियल गुण भी पाए जाते हैं। जिस वजह से यह आपके शरीर के अलग–अलग रोगों से बचा सकती है। यह बैक्टीरिया और वायरस से लड़ता है। इसके साथ ही हेल्दी इम्यूनिटी की कोशिकाओं के निर्माण को बढ़ावा देता है।

वजन कंट्रोल करता है

जैसा कि ऊपर बताया कि तुलसी पाचन में मदद करती है और आपके शरीर से टॉक्सिंस को भी बाहर निकालता है। जो व्यक्ति रोजाना तुलसी का पानी पीता है तो इससे शरीर के मेटाबॉलिज्म को नियंत्रित करने में मदद मिलती है। इससे आपका वजन भी कम होगा।

शुक्रवार व्रत में करें सिंदूर से जुड़े ये उपाय, बनी रहेगी मां लक्ष्मी की कृपा

हिंदू धर्म में देवी–देवताओं को कोई न कोई दिन समर्पित होता है। शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है। मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए बहुत सारे लोग वैभव लक्ष्मी व्रत करते हैं। मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति के लिए यह व्रत बहुत उत्तम माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, वैभव लक्ष्मी का व्रत करने जातकों को सुख–समृद्धि की प्राप्ति होती है। ऐसे में आप मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए इस दिन सिंदूर से जुड़े कुछ उपाय कर सकते हैं।

ऐसे करें मां लक्ष्मी को प्रसन्न

अगर आप भी वैभव लक्ष्मी व्रत करती हैं, तो इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा के समय उनको चुटकी भर सिंदूर अर्पित करें। इसके साथ ही आप मां लक्ष्मी के मंत्र का जाप भी कर सकती हैं। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं और जातक पर अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखती हैं।

मां लक्ष्मी को अर्पित करें ये चीजें

वैभव लक्ष्मी व्रत की पूजा के समय मां लक्ष्मी का लाल फूल पर सिंदूर लगाकर अर्पित करें। ऐसा करने से मां लक्ष्मी की भक्तों पर विशेष कृपा बनी रहती है। वहीं शुक्रवार का दिन मां लक्ष्मी को समर्पित होता है, इसलिए इस दिन पूजा के समय एकाक्षी नारियल पर सिंदूर का टीका लगाकर मां लक्ष्मी को अर्पित करें। इस उपाय को करने से जीवन में आने वाली परेशानियों का अंत हो सकता है।

तिजोरी में रखें सिंदूर

अगर आप भी धन संबंधी समस्या से परेशान हैं, तो आपको मां लक्ष्मी को अर्पित किए गए सिंदूर को एक लाल रंग के कपड़े में बांधकर तिजोरी में रखना चाहिए। इससे आपको धन लाभ हो सकता है।

सितंबर के महीने में 3 बड़े ग्रह करेंगे राशि परिवर्तन, जानें कौन–सा ग्रह कब गोचर करेगा

सितंबर का महीना ग्रहों के लिहाज से खास माना जा रहा है। क्योंकि सितंबर का माह में सूर्य, बुध और शुक्र राशि परिवर्तन करेंगे। इसका प्रभाव मनाव जीवन के साथ–साथ देश–दुनिया पर भी देखने को मिलेगा। एक निश्चित अवधि में ग्रहों का एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करना ग्रह गोचर कहलाता है। ज्योतिष के अनुसार, सूर्य करीब 1 महीने में अपनी राशि बदलते हैं, बुध हर एक राशि में करीब 21 दिन रहते हैं और शुक्र 26 दिनों के बाद अपनी राशि परिवर्तन करते हैं। आज हम आपको इस लेख में बताने जा रहे हैं कि सितंबर के महीने में कौन–से बड़े ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे।

सूर्य राशि परिवर्तन सितंबर

अभी ग्रहों के राजा सूर्य अपनी स्वकाशि सिंह में विराजमान हैं और 16 सितंबर 2024, सोमवार को कन्या राशि में प्रवेश करेंगे।

17 अक्टूबर को सूर्य तुला राशि में गोचर करेंगे। बता दें कि सूर्य गोचर का प्रभाव मेष से मीन राशि तक रहेगा।

बुध राशि परिवर्तन सितंबर

ग्रहों के राजकुमार बुध वर्तमान में वक्री बुध कर्क राशि में हैं। 4 सितंबर को बुध सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। सितंबर में बुध का दूसरी बार राशि परिवर्तन होगा। 23 सितंबर को बुध कन्या राशि में प्रवेश करेंगे। सितंबर में बुध का डबल राशि परिवर्तन सभी 12 राशियों को प्रभावित करेगा। वहीं, 10 अक्टूबर को तुला राशि में प्रवेश करेंगे।

शुक्र राशि परिवर्तन सितंबर

प्रेम, धन और सुख–समृद्धि कारक शुक्र फिलहाल में कन्या राशि में संचरण कर रहे हैं। 18 सितंबर को शुक्र तुला राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र तुला राशि में गोचर करने के बाद सभी 12 राशियों को शुभ–अशुभ परिणाम प्रदान करेंगे। इसके बाद फिर 13 अक्टूबर को वृश्चिक राशि में गोचर करेंगे।

सम्पादकीय...

गांवों की खुशहाली का पैमाना अलग है

जो दिखावापन कभी शहरी जिंदगी का हिस्सा माना जाता था, वह अब गांवों में भी दिखने लगा है। गांव समाज में जैसे–जैसे दिखावा करने की आदत बढ़ रही है, वैसे–वैसे असली जीवन की मासूमियत भी गायब होती जा रही है। जीवन–शैली में आया यह बदलाव जहां बाजारवाद को बढ़ावा दे रहा है, वहीं पर कृषि आधारित भारतीय जीवन–शैली, जो स्वदेशी, शाकाहार, स्वावलंबन, स्वसंस्कृति पर आधारित रही है, को विकृत करता जा रहा है। गांवों की जीवन–शैली पर इस बाजारू व्यवस्था ने ऐसा असर डाला है कि अब लगता ही नहीं कि ये वही भारतीय गांव हैं, जहां इंसानियत का एक अलग रूप दिखाई पड़ता था। शहरीकरण की वजह से भाईचारा, खुशमिजाजी और हंसी के फुहारों में सराबोर चौपालों की शामें अब शायद ही किसी गांव में दिखाई पड़ें। वैश्वीकरण के बाद पिछले 40 वर्षों से शहरों और गांवों में बाजारीकरण के कारण जो गैर–बराबरी बढ़ रही है, उसने गांवों के असली विकास पर सवाल पैदा कर दिया है। आज गांवों में जो विकास दिखता है, वह विकास नहीं, बल्कि बाजारीकरण की मजबूत होती पैठ है। यही उपभोक्तावाद है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक, ग्रामीण इलाकों में पिछले 1993–94 से 2012 के दौरान उन ऐशो–आराम की वस्तुओं का उपभोग तेजी से बढ़ा, जो अमूमन शहरी अमीरों के पास हुआ करती थीं। मसलन, जिन गांवों में साइकिल या अपवाद स्वरूप मोटर साइकिल हुआ करती थी, वहां कारें दौड़ने लगी हैं। आंकड़ों के मुताबिक, 1993–94 से 2012 के बीच कार रखने वालों का प्रतिशत 12 से बढ़कर 40 हो गया। दोपहिया वाहनों की संख्या में पांच गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई। यानी गांवों में भी ऐशो–आराम की जिंदगी जीने वालों की संख्या पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ी है। इससे यह धारणा बननी शुरू हो गई है कि उपभोग के मामले में गांव शहरों को पीछे छोड़ते जा रहे हैं। लेकिन यह विकास गांवों में बाजार की घुसपैठ का नतीजा है। आंकड़ों की जादूगरी में मन को उलझा देने से असलियत दब जाएगी। इसलिए देखना यह है कि सर्वे रिपोर्ट किस मूल बात को प्रकट करने में चूक गई है। दरअसल, गांवों के असली हालात का सर्वे रिपोर्ट में खुलासा ही नहीं किया गया है। आज भी भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ कृषि ही है। गांवों में रहने वालों में 95 प्रतिशत लोग खेती से ही जीविकोपार्जन करते हैं। और इन खेती करने वालों में 85 फीसदी लोग सीमांत या छोटे किसान हैं। इन 85 प्रतिशत लोगों के पास दोपहिया वाहन नहीं हैं और कार खरीदने का तो सवाल ही नहीं उठता है। गांवों में जिनके पास चार पहिया या दोपहिया वाहन हैं, वे बड़े किसान कहे जाते हैं। यानी गांवों में जो उपभोग की वस्तुएं खरीदते हैं, उनकी तादाद 20 प्रतिशत से भी कम ही है। इसलिए पंद्रह प्रतिशत लोगों द्वारा उपभोग की जा रही वस्तुओं के आंकड़ों से गांवों की खुशहाली का अनुमान लगाना उचित नहीं है।निश्चित रूप से गांव का गरीब अब आधुनिक विकास की दौड़ में शामिल होना चाहता है, लेकिन पैसे की कमी के चलते वह इस दौड़ में शामिल नहीं हो पा रहा है। बाजारीकरण के बाद निश्चित रूप से गांव की तस्वीर बदली है, लेकिन यदि विकास से इसे जोड़ा जाए, तो महज 20 प्रतिशत यानी बड़ी जोत वाले किसानों का विकास हुआ। गांव में बड़ी जोत वाले किसानों के पास ही संपत्ति, जायदाद और व्यापार की मोटी कमाई है। यानी मलाई वही वर्ग छान रहा है, जिसकी जमीन पर बिना जोत वाले किसान काम करते हैं। एक आंकड़े के मुताबिक, देश के 11 करोड़ से ज्यादा किसानों के पास अपनी जमीन नहीं है।पंजाब को सबसे संपन्न प्रांत माना जाता रहा है, लेकिन कर्ज में डूबकर आत्महत्या करने वाले किसानों की तादाद वहां सबसे ज्यादा है। एनएसएसओ की सर्वे रिपोर्ट बताती है कि गांवों में आजादी के लंबे अंतराल के बाद भी दस प्रतिशत ऐसे लोग हैं, जिनके पास खर्च करने के लिए बमुश्किल से दस रुपये भी नहीं होते हैं। इस लिहाज से देखा जाए, तो उपभोग और विकास के अंतर्संबंधों में कोई तालमेल नहीं दिखाई पड़ता है। मतलब, जब तक गांव के सबसे गरीब व्यक्ति व परिवार के पास विकास की किरण नहीं पहुंचती, ग्रामीण विकास का दावा नहीं किया जा सकता।अर्थव्यवस्था की अभी जो दिशा और दशा है, वह ठीक कही जा सकती है, लेकिन अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है। आज जरूरत इस बात की है कि गांवों में रोजगार सृजन के नए अवसर तलाशे जाएं और उन जरूरतों को पूरा करने के लिए कदम उठाए जाएं, जिनकी जरूरत आम आदमी को होती है। मतलब, विकास की किरण गांव के हर तबके तक जानी चाहिए, न कि कुछ गिने–चुने लोगों के पास।

गजब के तर्क दिए जाते हैं हमारे हिन्दुस्थान में

आज हम बात कर रहे आतंकवादी और उनके समर्थकों, मानवाधिकार वालों और इस देश की धर्मनिरपेक्षतावादी पार्टियों की।हम जबसे जानने समझने लायक हुए हैं,तभी से आतंकियों द्वारा काश्मीर, पंजाब, असम, मुम्बई दिल्ली आदि राज्यों बेगुनाह लोगों का रक्त बहते,बेघर होते,लावारिस होते देखते सुनते आ रहे हैं।आतंकी घटनाओं से देश को बरवाद होते देखते आ रहे हैं।जो देश सोने की चिड़िया कहा जाता था,उसी देश को आतंकियों से साठ गाँठ किए धर्मनिरपेक्षतावादियों के चलते भिखारी होते दीन हीन की जैसे नियति बनते देखते आ रहा हूँ।हमारे इस हिन्दुस्थान की लगभग 50ः जीडीपी आतंकी घटनाओं से नुकसान की भरपाई में लगते देखते आ रहा हूँ।जो धन देश की प्रगति में लगना चाहिए वो आतंकियों द्वारा क्षति की गई सम्पत्ति को सुधारने में लगते देखते आ रहा हूँ।जबसे छद्म आजादी मिली है तबसे ही आतंकियों की करतूतों से इस देश के मजबूर देशवासियों को अपनों की बरवादियों पर आँसू बहाते देखते सुनते आ रहा हूँ।

हमारे इस देश में 80 से 2020 के दशक तक आतंकी घटनायें पर्व जैसी हो गई थीं जो आये दिन इस देश का वातावरण चीखों से गुंजायमान किए हुए थी।2020 से 2024 के मध्य इसमें बहुत कमी आई थी,मगर पुनः शिर उठाने लगी है।आज फिर से आतंकी घटनायें अपनी रफ्तार पकड़ रही है।जो की इस देश के लिए और देशवासियों के लिए किसी भी तरह से हितकर नहीं है।

विगत में जब भी हमारे देश में आतंकवादी घटनायें होती थी तो हमारे देश की धर्मनिरपेक्षतावादी पार्टियाँ गजब का तर्क देकर उनका बचाव करती थीं।कहती थीं वो अनपढ़ हैं,मासूम हैं,भटके हुए नौजवान हैं।विगत सरकारें भी उपरोक्त शब्दों का सहारा लेकर कार्यवाई करने के बदले पल्ला झाड़ लेती थीं।लोग मरे इससे किसी को फर्क नहीं पड़ता था।घटना होती थी,पत्रकार वार्ता होती थी,दो चार घड़ियाली आँसू बहाकर कर इति श्री कर ली जाती थी।बस हो गया काम।इसी का फायदा उठाते हुए बेलगाम आतंकी देश को बरवाद करते चले आ रहे हैं।मराठी में एक कहावत है,अपना काम बनता,भाड़ में जाये जनता।हमारे कर्णधार लोगों का यही खेल चल रहा है।धर्मनिरपेक्षता के नाम पर एक धर्म विशेष की हमारे देश की धर्मनिरपेक्षतावादी पार्टियाँ कवच बनी हुई हैं।जो इस देश को धर्म के नाम से बाँटने में मुख्य रहा।जो इस देश में आतंक फैलाने में मुख्य रहा।उसी धर्म के चलते इस देश का तियाँ पाँचा हो रहा है।स्वर्ग जैसे सुन्दर काश्मीर को नर्क बनाया जा रहा है।फिर भी उन्हीं के समर्थन में अधिकाधिक राजनीतिक पार्टियाँ यह कहके बचाव करते हुए दिखती हैं कि वो नादान हैं,अनपढ़ हैं,बेरोजगार हैं,बहके हुए लोग हैं,इनको मुख्यधारा में लाना है।मानवाधिकार आयोग भी उन्हीं की मौत पर रुदाली करता है।आम जन जो निरपराध मारे जाते हैं,उस पर चूँ तक नहीं बोलती।समझ में नहीं आता कि मानवाधिकार मानव का है कि दानव का।आजतक हमने नहीं देखा न सुना कि कभी भी मानवाधिकार आम जन के मानवाधिकार के लिए कुछ कहा हो।आतंकी घटनाओं के शिकार हुए लोगों कि लिए धरना प्रदर्शन या किसी भी तरह का सरकार पर दबाव बनाया हो।अदालत भी हमारे देश की उन्हीं के लिए समर्पित दिखती है।दुनिया भर के सबूत होने के बाद भी उनको जमानत देने के लिए जैसे मरी जा रही होती है।इन्हीं सबका फायदा उठाते हुए हमारे इस शांति का संदेश विश्व भर को देने वाले देश का तियाँ पाँचा हो रहा है।

मजे की बात यह है,आज तक जितने भी आतंकी पकड़े गये ,या मारे गये,कोई न मासूम था,न अनपढ़ था,न बेरोजगार था।कोई डॉक्टर तो कोई इंजिनियर,तो कोई प्रोफेशर ही पकड़ा गया या मारा गया।यह कभी नहीं सुनने में आया कि यह आतंकी घसियारा है।जितने भी पकड़े गये या पकड़े जाते हैं,सबके सब दक्ष,हरफन में माहिर होते हैं।वैज्ञानिक होते हैं,बहुत ही बड़े शातिर होते हैं।उसके बावजूद भी हमारे देश की धर्मनिरपेक्षतावादी पार्टियाँ अपनी राजनीति चमकाने के लिए उनके ही समर्थन में,उन्हें मासूम अनपढ़ बेरोजगार,और भटका हुआ बताने पर तुली हुई हैं।इससे यह स्पष्ट हो रहा है कि इन्हीं धर्मनिरपेक्षतावादी पार्टियों की शह पर हमारा देश और देशवासी रक्त रंजित हैं।अभी दो चार दिन पहले की बात है,एक डॉक्टर पकड़ा गया है,जो हास्पिटल के नाम पर आतंकी अड्डा चला रहा था।सुनकर धर्मनिरपेक्षतावादी पार्टियों की सोंच पर गुस्सा आता है।और उनका समर्थन करने वाली जनता की मासूमियत पर तरस।

पं.जमदग्निपुरी

कौन हूँ, क्या हूँ, कहाँ हूँ कोई बतलाए मुझे
फ़लसफ़ा इस ज़िंदगी का कोई समझाए मुझे

कुछ न अब तेरे सिवा हमदम नज़र आए मुझे
हर तरफ ये इश्क़ तेरा अक्स दिखलाए मुझे

ज़िंदगी तूफ़ान ए ग़म में दोस्त गोते खा रही
दिल पे मेरे हाथ रक्खे कोई बहलाए मुझे

हम सभी की देखकर उल्फ़त खुशी के वास्ते
कह रहा है ग़म ये हमसे कोई अपनाए मुझे

ऐ मेरी पहली मुहब्बत ऐ मेरी पहली ग़ज़ल
याद तेरी आज भी रह–रह के तड़पाए मुझे

सरफ़िरी दुनिया से बस इतनी गुजारिश है मेरी
और मत अच्छे दिनों के ख़्वाब दिखलाए मुझे

हक़ है मेरा नाम सदियों से यही है हो रहा
कोई अपनाए मुझे और कोई ठुकराए मुझे

आख़िरिश सुन ही ली रब ने दोस्तो उसकी दुआ
कह रहा था कब से कोई दाम में लाए मुझे

शोर

आज तो हम आदमी नहीं शोर बन गए हैं
ग़म को छुपा के अपने ग़म खोर बन गए हैं

चारों ओर गूँज रहीं आवाज़ें अनजानी
लेकिन चुप हुए रिश्ते अब कमजोर बन गए हैं

पहले घरों में बोलते थे नाद ब्रह्म के
अब वो रॉक बैंड के बेसुरे चिकोर बन गए हैं

रास्ते पर दौड़ते वाहन ही दिख रहे हैं
खिड़की पर बैठे हुये बस चकोर बन गए हैं

घर पर भी बातें होती हैं अब मोबाइल से
लगता है लोग जंगल के अघोर बन गए हैं

पीसने को आटा चक्की और मिक्सर है अब
लोग तभी तो कितने कामचोर बन गए हैं

नहीं चहचहाती है गौरैया आज छत पर
काँच के बरामदे अब मुंडेर बन गए हैं

ग्लोबल बनी है दुनिया मन में नहीं जगह अब
हम बनते बनते इंसा बरजोर बन गए हैं

– डॉ कनक लता तिवारी

सकलभुवनमध्ये निर्धनास्तेपि धन्या

निवसति हृदि येषां श्रीहरेर्भक्तिरेका
हरिरपि निजलोकं सर्वथातो विहाय
प्रविशति हृदि तेषां भक्तिसूत्रोपनद्धरू सस

भावार्थ – सम्पूर्ण त्रिभुवन में वे लोग निर्धन होकर भी धनवान हैं, जिनके हृदय में भगवान् श्रीहरि का एकमात्र भक्ति निवास करती है स इस भक्ति के सूत्र में बंधकर भगवान् श्रीहरि अपना लोक छोड़कर उन भक्तों के हृदय में आकर विराजमान हो जाते हैं।

–सुप्रभात

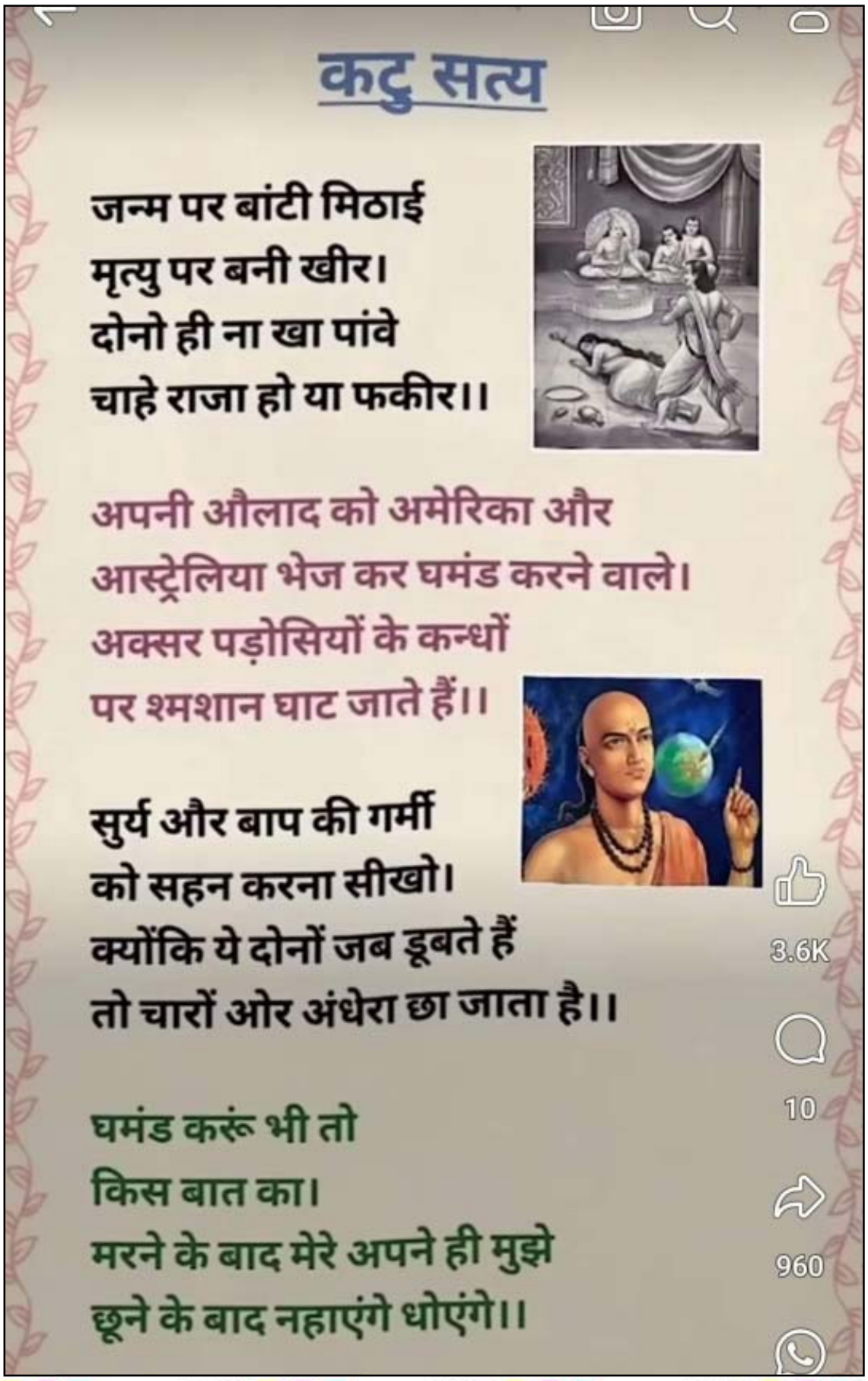

R. R. Educational Trust's B. Ed. College & Mulund Charitable Trust

Celebrating Women's Equality Day

By organising Felicitation Ceremony

"Her Story - From Ashes to Glory, I Rise."

Guest

Ms. Rupali Dangat, Ms. Ekta Parmar
Dr. Harshila Zalte, Ms. Hiravati Yadav
Ms. Priti Kumari, Ms. Uma Menon

Date: 30th August 24
Time: 12:00 PM
Venue: R.R. Sabhagrih
Mhada Colony, Mulund

देवगांव साधक परिवार द्वारा प्रत्येक रविवार को इसी प्रकार से प्रभात फेरी एवं भगवन्नाम संकीर्तन यात्रा निकाली जाती है। प्रभात फेरी की बड़ी भारी महिमा है, इसमे भगवन्नाम जप तथा संकीर्तन करने से वातावरण पवित्र एवं भक्तिमय हो जाता है।
वैज्ञानिक एवं स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह अत्यंत लाभदायक है, सुबह–सुबह शांत और प्रदूषण रहित वातावरण में पैदल चलने से शरीर स्वस्थ और मन प्रसन्न रहता है। अतः ऐसी प्रभात फेरियां अन्य स्थानों पर भी निकालनी चाहिए।

परम पूज्य संत श्री आशारामजी बापूके साधक समिति द्वारा रविवार दिनांक 25 अगस्त को देवगांव बाजार तिरमोहनी, मैहनाजपूर रोड, जिला आजमगढ़ उत्तर प्रदेश मे प्रभात फेरी निकाली गई

भगवान श्री लक्ष्मी नारायण के स्थापना पूजन कृष्ण जन्मोत्सव समारोह सरैनी धाम जिला देवरिया उ0प्र0। इस आयोजन में महात्मा पाण्डेय, पूजा प्रसाद पाण्डेय, धीरेन्द्र कुमार आदि लोगों ने सहयोग किया।

बोनकडे गाँव में मनी जन्माष्टमी अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और नेता हुए शामिल

नवी मुंबई । कोपरखैरणे बोनकडे गाँव में होलिका मैदान में भव्य श्री कृष्ण जन्मोत्सव का आयोजन 26 व 27 अगस्त को रखा गया था ।जिसमें कई सामाजिक संगठन के कार्यकर्ता व स्थानीय भाजपा विधायक गणेश नाईक व पूर्वसांसद डा0 संजीव नाईक सहित अनेक नगरसेवक उपस्थित हुए ।

उक्त कार्यक्रम उत्तर भारतीय मित्र मण्डल पिछले बीस बर्षो से धूमधाम से मना रहा है ।मण्डल के संस्थापक अध्यक्ष तारकेश्वर राय ने इन दो दिनो से चल रही जन्मोत्सव के कार्यक्रम में करीब 3 हजार से अधिक भक्त शामिल हुए जिसमे दो दिन तीनो समय तक चले भण्डारे में 10 से 12हजार भक्तो ने महाप्रसाद का लाभ भी लिया ।दोनो दिन अखण्ड हरिनाम संकीर्तन व कथा तथा श्री कृष्ण जन्मोत्सव का दर्शन भी रखा गया था तथा एक स्वास्थ्य शिविर चेक अप भी रखा गया जिसका लाभ सैकडो नागरिको ने उठाया ।लोकप्रिय विधायक गणेश नाईक ने इस कार्यक्रम के लिए कई मण्डल के कार्यकर्ताओ व उपस्थित गणमान्यो को अंग वस्त्रो व पुष्पगुच्छ से सम्मानित भी किया ।लोकनेता गणेश नाईक ने अपने संबोधन में श्री कृष्ण के बताये संदेश व महापुरुष के उपदेश से हमें सीख ग्रहण करनी चाहिए जिससे समाज आगे बढे ,व देश में शान्ति बढे । उन्होंने समाज के लोगो से संगठित रहने की अपील की । इस अवसर पर नई मुम्बई के लोकनेता गणेश नाईक के अलावा ठाणे के पूर्व सांसद संजीव नाईक जिलाध्यक्ष राजेश राय,महामंत्री हरिओम केवट, सुषमा सिंह,कवि राजाराम सिंह,विक्रम परान्जुली साहब, नगरसेवक लीलाधर नाईक, समाजसेवक हनुमंत दलवी ,नारायण म्हात्रे ,भोजपुरी वेल्फेयर के अध्यक्ष संजय पाण्डेय, और उनकी टीम जय जगदम्बे मित्रमण्डल के अध्यक्ष अजय प्रसाद व अन्य कार्यकर्ता तथा बालकलाकार उपस्थित रहे । उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सभी कलाकार इस मौके पर सम्मानित किये गये ।मण्डप के लोगो को उत्साहित करते हुए ऐसे आयोजनो को हर सम्भव मदद का आश्वासन गणेश नाईक ने भी दिया ।कार्यक्रम के अंत में मण्डल के संस्थापक अध्यक्ष तारकेश्वर राय ने सभी अतिथियो , सहयोगियो , मण्डप सजावट करने वालो भक्तो ,कार्यकर्ताओ व स्थानीय लोगो का आभार व्यक्त किया ।

मदरसे के प्रिंसिपल मोहम्मद तफसीरूल सहित 4 गिरफ़्तार

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश प्रयागराज के अतरसुइया स्थित मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम में चल रहा था नकली नोट छापने का कारखाना, छापे जा रहे थे 100–100 के जाली नोट। एक लाख 30 हजार रुपये की नकली करेंसी बरामद, मदरसे के प्रिंसिपल मोहम्मद तफसीरूल सहित 4 गिरफ़्तार। मास्टरमाइंड ओडिशा का मोहम्मद ज़ाहिर भी पकड़ा गया। मधुशाला हम भूल गये हैं पेट की आग बुझाने मे भूख से बड़ा नशा नही कोई कहदो आज रिंदो से दयाराम दर्द फिरोज़ाबादी

नफरत की हवा फेंकने वाले
पंखे मत इजाद करो
मानव जन्म पाया है
मानव जन्म मत बर्बाद करो

दयाराम दर्द फिरोजाबादी

भारतीय डेट मार्केट में विदेशी निवेशकों ने 2024 में किया 1 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की ओर से भारतीय डेट मार्केट में अगस्त में अब तक 11,336 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। इसके साथ ही 2024 साल की शुरुआत से अब तक डेट मार्केट में विदेशी निवेश बढ़कर एक लाख करोड़ के आंकड़े को पार कर गया है। नेशनल सिक्योरिटी डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) के आंकड़े के मुताबिक, एफपीआई द्वारा 2024 की शुरुआत से अब तक भारतीय डेट मार्केट में 1,02,354 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। डेट मार्केट में अगस्त में अब तक 11,366 करोड़ रुपये, जुलाई में 22,363 करोड़ रुपये, जून में 14,955 करोड़ रुपये और मई में 8,760 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश हुआ है। विदेशी निवेशक डेट मार्केट में तो पैसे निवेश कर रहे हैं, लेकिन इक्विटी बाजारों से पैसा बाहर निकाल रहे हैं। एफपीआई अगस्त की शुरुआत से अब तक 16,305 करोड़ रुपये भारतीय इक्विटी बाजारों से निकाल चुके हैं। इसकी वजह येन कैरी ट्रेड, अमेरिकी में मंदी की आशंका और मध्य पूर्व में तनाव को माना जा रहा है। हालांकि, 2024 की शुरुआत से अब तक विदेशी निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजारों में कुल 19,261 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। विदेशी निवेशकों की ओर से डेट मार्केट में बड़ी खरीदारी होने की वजह इस साल जून में जेपी मॉर्गन इमर्जिंग मार्केट बॉन्ड इंडेक्स में भारतीय बॉन्ड को शामिल करना है।

जैसा सोचती है BJP, वैसा बोलती है कंगना

कंगना रनौत के वाहियात बयानों के लिए **BJP** सीधे तौर पर जिम्मेदार है। **BJP** जैसा सोचती है, जैसा अपने बैठकों में चर्चा करती है, कंगना वही बोलती है। बस उसे ये नहीं पता कि बाहर क्या बोलना है, क्या नहीं।

अगर **BJP** के बाकी नेताओं की तरह कंगना भी थोड़ा–बहुत समझदार होती, तो **BJP** की सोच को लोग जान ही न पाते। लोग ये न जान पाते कि **BJP** गांधी जी के बारे में, देश के बारे में, किसानों के प्रति कितनी घटिया मानसिकता रखती है। मीटिंग की बात मीटिंग में ही रह जाती।

कुछ दिन पहले कंगना ने कहा– आंदोलन के नाम किसान हिंसा फैला रहे थे। वहां रेप और हत्याएं हो रही थी। सरकार ने कृषि बिल वापस लेकर किसानों की योजना को असफल कर दिया। नहीं तो किसानों ने खतरनाक प्लानिंग कर रखी थी।

इस बयान से भाजपा भले ही किनारा करने का नाटक कर रही है। लेकिन सच्चाई ये है कि पूरी ठश्रच किसान विरोधी है। ठश्रच के लिए अन्नदाता बलात्कारी

हैं, हत्यारे हैं। **BJP** के नेता मीटिंगो में किसानों के बारे में ऐसी ही बातें करते रहते हैं।

कंगना के बयान को निजी बयान बताने वाली ये वही **BJP** है, जिसने पंजाब, हरियाणा और यूपी के किसानों को हर तरह से प्रताड़ित किया। भीषण ठंड में किसानों पर वाटर कैनन और लाठियां चलवाई।

मोदी ने तीन काले कृषि कानूनों के नाम पर 700 से अधिक किसानों की जान ले ली। खुद प्रधानमंत्री ने किसानों को आंदोलनजीवी कहकर उनका अपमान किया था। मोदी के नेता किसानों को खालिस्तानी बता रहे थे। आंदोलन समाप्त करते समय मोदी ने किसानों से **MSP** की कानूनी गारंटी का वादा किया था। मगर ये वादा आज तक पूरा नहीं हो पाया। जो किसान शहीद हुए, उनके परिवार को सरकार ने मुआवजा तक नहीं दिया। उल्टा साजिश के तहत सरकार अन्नदाताओं का चरित्र हनन कर उन्हें अपमानित करने की घटिया साजिश रच रही है।

अगर अबकी बार 400 पार हो जाता या **BJP** अपने दम पर सरकार बना लेती, तो सरकार के निशाने पर किसान होते। क्योंकि किसानों के प्रति नफरत और धोखा ठश्रच के दिमाग में भरा है।

अब ये खबर है कि **BJP** हरियाणा चुनाव का इतंजार कर रही है। अगर गलती से भी हरियाणा में **BJP** गई तो ये हरियाणा के किसानों के लिए बहुत खतरनाक होगा। क्योंकि **BJP** का प्लान किसानों से बदला लेने का है। क्योंकि किसानों ने मोदी और ठश्रच की तानाशाही को चौलेंज दिया था।

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक

पूजा प्रसाद पाण्डेय

मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।